

श्रीमती लाल बनारस २०००  
बालिका - १९५/२०२।

२६/११/२३

कामवासी पेय हूँ। वहीन वधि  
इसका वसिगत ही ओर ही  
कोई उपस्थित नहीं है। बार-बार  
आवाज लगावाइ गई। बावजूद  
आवाज के भी कोई धिक्का  
नहीं आया है। प्रतीत होय है  
कि वधि अपने वाड के प्रती-  
उदासीन हैं तथा वाड के प्राण  
नयना भी पाहय। प्रिय, वाड  
वसिगत अरु प्रतीत अरु दासि  
में खराबीज लुभा जाय है।  
प्राणवी प्रपल-भुमार हीकर  
नखर से वरु हो। वसिगत वरु  
हो।

सहायक कलक्टर  
लालसोट जिला-दौसा (राज.)

